निरीक्षण

निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद स्वास्थ्य के क्षेत्र में ग्रामीण मरीजों को मिलेगा लाभ : विवेक पटेल

हॉस्पिटल के निर्माण कार्य स्थल का विधायक ने किया निरीक्षण

नवभारत, वारासिवनी। खैरलांजी में 10 करोड़ रुपयों की लागत से बनने वाले 50 बिस्तरीय हॉस्पिटल के निर्माण कार्य स्थल का विधायक विवेक विक्की पटेल ने शनिवार को संबंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया ।विधायक विवेक पटेल ने हॉस्पिटल के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को चेतावनी दी,कि निर्माण कार्य में अब देरी नहीं होनी चाहिए। वहीं एसडीओ विवेक साकरे ने विधायक विवेक पटेल को नक्शे के माध्यम से बनने वाले हॉस्पिटल के निर्माण कार्यों के बारे में अवगत कराया ।वहीं विधायक विवेक विक्की पटेल ने समय सीमा के पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ।इस दौरान बीएमओ खिलेंद्र पाल,एसडीओ विवेक साकरे, इलेक्ट्रिक इंजीनियर राजेश सिंह, स्वास्थ्य विभाग के सब इंजीनियर राकेश राहंगडाले, देवीप्रसाद लिल्हारे, नरेंद्र राहंगडाले, सुरेश दमाहे, राजकुमार चौधरी, विक्की लिल्हारे, ज्ञानीराम लिल्हारे,सोनू पटले, विकास करपगए, अमित थोटे, सहित

ग्रामवासी मौजूद रहे।

विधायक विवेक विक्की पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर खैरलांजी में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए शासन-प्रशासन से निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने की मांग की थी ।उन्होंने पत्र के माध्यम से उल्लेख किया था कि खैरलांजी क्षेत्र के सैकड़ों गांव के मरीजों को इलाज करवाने महाराष्ट्र या बालाघाट दूर जाना पड़ता है ।विधायक विवेक पटेल के पत्र को गम्भीरता से लेते हुए अधिकारियों ने बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने के उद्देश्य से निर्माण कार्य प्रारंभ करने का आदेश जारी किया है।

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हॉस्पिटल के सभी लंबित कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए है ।हॉस्पिटल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी ।और स्थानीय जनता को बड़ी राहत मिलेगी ।स्थानीय निवासियों को अब बालाघाट या महाराष्ट्र इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा ।गम्भीर मरीजो को समय पर इलाज मिल सकेगा ।निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात सभी सुविधाएं इसी हॉस्पिटल में मिलेगी ।वहीं डाक्टरों की कमी को भी बहुत जल्द पूरा किया जाएगा।

वहीं उन्होंने कहा कि राशि के आभाव में निर्माण कार्य में देरी हुई है ।विधायक बनने के बाद खैरलांजी में हमने 132 केवी सबस्टेशन,शासकीय आई टी आई, और 50 बिस्तरीय हॉस्पिटल का क्षेत्र वासियों को सौगात दी है। बहुत जल्द तहसील कार्यालय लाने का भी प्रयास कर रहे है ।हमने चुनाव के समय क्षेत्र वासियों से जो वादे किए थे ।उन्हीं वादों को पूरा कर रहे है।

पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर नवीन भवन का होगा निर्माण

अधिकारियों ने विधायक विवेक पटेल को अवगत कराया कि 10 करोड़ रुपयों की लागत से बनने वाला नवीन भवन सुसज्जित होगा ।भू-तल पर ओपीडी,और ऊपरी तल पर जांच लैब और नीचे व ऊपरी तल पर मरीज वॉर्ड रहेगा ।हॉस्पिटल के आवश्यकता के अनुसार फर्नीचर और उपकरण उपलब्ध कराएं जाएंगे ।वहीं पुराने भवन को तोड़ने की प्रकिया प्रारंभ हो चुकी है ।जिसके बाद कुछ महीनों तक मरीजों को समस्याओं को जूझना पड़ सकता है ।हालांकि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो,हॉस्पिटल प्रबंधक ने पूरी व्यवस्था कर चुके है ।10 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 50 बिस्तरीय हॉस्पिटल का निर्माण कार्य 11 माह में पूर्ण करने को कहा है।

विधान सभा क्षेत्र परसवाड़ा में पुरातात्विक महत्व के अवशेषों की दुर्दशा

नवभारत, परसवाड़ा। बालाघाट जिले के विधान सभा क्षेत्रों में पुरातात्विक महत्व के अवशेषों की अधिकता जरुर हैं किन्तु वास्तविक रूप से रखरखाव नहीं होने की श्रृंखला में ध्वस्त होते जा रहे है।

इसी परिदृश्य में गत दिनांक 18 जुलाई 2026 को आकस्मिक निरीक्षण डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष, इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट ने विधान सभा क्षेत्र परसवाड़ा के ग्राम पंचायत झिरिया,ठेमा,कोरजा की सीमा के विरान जंगल में लगभग 10 से 12 वीं शं. के ऐतिहासिक पुरातात्विक महत्व का शिव मंदिर का अवलोकन कर देखते ही आश्चर्य चकित रह गए, क्योंकि विगत वर्ष 2011 में समीर सिंह गहरवार के नेतृत्व में अवलोकन किया जा चुका था, इसी क्रम में उप संचालक, पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय जबलपुर ने निरीक्षण किया था। इस 15 वर्षों में शिव मंदिर पूर्णत: क्षतिग्रस्त होते हुए, 100 मीटर परिसर क्षेत्र में अवशेष यत्र-तत्र भग्नावशेष पड़े हुए है। शिव मंदिर के गर्भगृह में शिव उपासक प्रतिमा, स्थानक चतुर्भुज देवी प्रतिमा, खुले मैदान में दो उमा- महेश्वर, शिव

लिंग-जलहरी सदृश रचना। शिव मंदिर के प्रवेशद्वार की गणेश शिला नीचे गिरी पड़ी है। डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार ने दुखांत व्यक्त कर कहा, अगर समय रहते व्यवस्थित नहीं किया गया तो पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो जायेगा। यहाँ कोई शिव मंदिर था, इतिहास के पन्नों में अंकित रह जायेगा। शिव मंदिर परिसर क्षेत्र की खुदाई करवाकर संरक्षित किया जाता है, तो धनसुआ के गोंसाई मंदिर की तरह व्यवस्थित हो सकता है। शिव मंदिर के पास गराड़ी बांध, 4 बरसाती नाले, सतकथा मिश्रित वनों से घिरा हुआ होने के परिप्रेक्ष्य में दुर्गम मार्ग है।

इस अवलोकन के समय परसवाड़ा विकास खंड के चारुदत्त शेण्डे, ईरफान कुरैशी, गणेश नेती, प्रतीक नगपुरे आदि थे। इनके साथ ही तीन ग्राम पंचायत झिरिया,ठेमा,कोरजा के सरपंचों से सम्पर्क किया गया तो अपने घरों पर नहीं मिले।

एक नजर में

पिस्टल के साथ बदमाश गिरफ्तार

नवभारत,जबलपुर। गोरखपुर पुलिस ने एक बदमाश को पिस्टल एवं कारतूस सहित रंगे हाथ पकडा गया है। टीआई नितिन कमल ने बताया कि रामपुर शिलाकुंज नयागांव में घेराबंदी कर नीरज उर्फ बाबा पिता स्व. सेवकराम सोनकर 35 वर्ष निवासी भरतीपुर शिव पार्वती मंदिर के पास ओमती को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर कमर में बांये तरफ एक देशी पिस्टल खोंसे मिला जिसे चैक करने पर मैगजीन में एक कारतूस लोड होना पाया गया। पकडा गया आरोपी अपराधी प्रवृत्ति का है जिसके विरूद्ध मारपीट, आर्म्स एक्ट के 5 अपराध दर्ज है।

जुआ फड़ पर छापा, 5 दबोचे फड़बाज समेत 3 फरार

नवभारत,जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत बदनपुर पहाड़िया में चल रहे एक जुआ फड़ पर पुलिस ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर 5 जुआड़ियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जबकि जुआ संचालक और 3 अन्य नामजद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस ने मौके से 25,260 नगद और ताश की 3 गड्डियां बरामद की हैं। गढ़ा थाना प्रभारी प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि बदनपुर पहाड़िया में ताश के पत्तों पर रुपयों की हार-जीत का दांव लगा रहे जुआड़ी मोनू प्रजापति श्याम प्रजापति,मोनू उर्फ लक्ष्मी सिंह लोधी, राहुल मनोहरे, मूर्ति केवट को दबोचा गया। पकड़े गए जुआड़ियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि इस अवैध जुआ फड़ का मुख्य संचालन अज्जू चक्रवर्ती और रोहित सेन मिलकर कर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने बताया कि पुलिस के आने से ठीक पहले राज बिठ्ठल, संदीप पटेल, अन्नू रैकवार और उनके 1-2 अन्य साथी भी वहां जुआ खेल रहे थे, जो पुलिस को आता देख मौके से फरार हो गए।

पूर्व क्षेत्र बिजली कंपनी के 150 कनिष्ठ अभियंता हुए पदोन्नत

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों को बड़ी सौगात देते हुए 150 कनिष्ठ अभियंताओं को योग्यता और वरिष्ठता के अनुरूप सहायक अभियंता पद पर पदोन्नति प्रदान की है, जिससे लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे अधिकारियों में खुशी का माहौल है। कंपनी प्रबंधन का मानना है कि इस निर्णय से अधिकारियों का मनोबल बढ़ेगा और वे नई ऊर्जा के साथ उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव : प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के निर्वाचन सत्र 2026-28 के लिये कल सोमवार को मतदान होना है। जिसको लेकर प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। अध्यक्ष सहित अन्य पदों व कार्यकारिणी के लिये कुल 92 प्रत्याशी मैदान में है। जिनमें अध्यक्ष पद के लिये छह उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी की है। जिनमें अधिवक्ता नरेन्द्र जैन, मनीष मिश्रा और ज्योति राय के बीच कांटे का मुकाबला बताया जा रहा है। सोमवार को होने वाले मतदान को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। नई कार्यकारिणी के होने वाले उक्त चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए अभय शुक्ला, बाल्मीकि प्रसाद तिवारी, एचआर नायडू, ज्योति राय, मनीष कुमार मिश्रा एवं नरेंद्र जैन चुनाव मैदान में हैं। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार शुक्ला, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, कमल सिंह बघेल, मनोज कुमार तिवारी, मनोज शिवहरे, प्रमोद त्रिपाठी, प्रशांत कोहाड़े, सचिन गुप्ता, शेख मंजूर व सुखवीर सिंह नादड़ा उम्मीदवार हैं।

महिला उपाध्यक्ष पद पर मधु राणा, सुनीता सूद गुप्ता व वर्षा तिवारी के बीच मुकाबला होगा। सचिव पद के लिए अमित कुमार साहू, दीपांशु साहू, गोपाल पटेल, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, महेंद्र अहिरवार, राहुल श्रीवास्तव, शैलेंद्र सिंह ठाकुर व यतेन्द्र अवस्थी मैदान में हैं। सह सचिव पद पर आवेश पटेल, दामोदर पाटकर, सतीश कुमार शर्मा, शैलेंद्र यादव व विनोद विश्वकर्मा चुनाव लड़ेंगे। कोषाध्यक्ष पद के लिए नेहा मिश्रा, नीलम दत्त, रेनू बाला सिंह व रेणुका शुक्ला व पुस्तकालय सचिव पद के लिए मनीष दुबे, रविन्द्र कुमार दत्त, वीरेंद्र कुमार पटेल व विजय यादव उम्मीदवार हैं।

विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस के 13 मामलों का निराकरण

21.52 लाख रुपये का अवॉर्ड पारित

नवभारत, बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 के तहत लंबित चेक बाउंस प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए शनिवार 18 जुलाई को जिले के न्यायालयों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान आपसी सहमति से 13 प्रकरणों का निराकरण कर कुल 21 लाख 52 हजार 963 रुपये का अवार्ड पारित किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय बालाघाट सहित जिले की सभी तहसील न्यायालयों में विशेष लोक अदालत के लिए अलग-अलग खंडपीठों का गठन किया गया। लोक अदालत में पक्षकारों ने आपसी सहमति से राजीनामा कर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा कराया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश सतीश शर्मा ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से मामलों का निपटारा होने से पक्षकारों के बीच आपसी सद्भाव बना रहता है तथा समय और धन दोनों की बचत होती है।

उन्होंने बताया कि आगामी 12 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

इसरो के विक्रम-1 मिशन में बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ पटले का योगदान

श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपण के दौरान टीम का रहे हिस्सा जिले में खुशी की लहर

नवभारत, बालाघाट। देश के अंतरिक्ष अभियान में बालाघाट जिले ने एक बार फिर गौरवपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है। श्रीहरिकोटा से 18 जुलाई को किए गए विक्रम-1 यान के प्रक्षेपण में बालाघाट जिले के युवा वैज्ञानिक डॉ. सौरभ पटले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रक्षेपण के दौरान वे मिशन टीम के साथ मौजूद रहे।

प्रक्षेपण के समय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एवं उनकी टीम के साथ इसरो में कार्यरत बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ पटले की मौजूदगी जिले के लिए गर्व का विषय बनी। देश के इस महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशन में उनका योगदान बालाघाट ही नहीं, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए सम्मान और प्रेरणा का स्रोत माना जा रहा है।

डॉ. सौरभ पटले की इस उपलब्धि से जिले के युवाओं में विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति नई प्रेरणा का संचार हुआ है। उनके इस योगदान पर जिले के नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। बालाघाट के इस प्रतिभाशाली वैज्ञानिक ने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में अपनी सहभागिता से यह साबित किया है कि छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों से निकली प्रतिभाएं भी अपनी मेहनत और लगन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। डॉ. सौरभ पटले की सफलता बालाघाट जिले के लिए गौरव का क्षण है और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण भी।

पुलिस ने नशे से होने वाले दुष्परिणामों की दी जानकारी

सीएचसी कटंगी में नशा मुक्ति जागरूकता शिविर आयोजित

नवभारत कटंगी 19 जुलाई। नशामुक्ति जागरूकता अभियान 2.0 के अंतर्गत शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस विभाग द्वारा नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

कार्यक्रम में थाना कटंगी के थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुशराम अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर में पहुंचे मरीजों, उनके परिजनों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नशा पूरे परिवार को करता है प्रभावित- थाना प्रभारी ने कहा कि नशा एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और समाज को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें। जागरूकता सत्र के समापन पर सभी उपस्थित लोगों को 'नशे से दूरी है जरूरी, की शपथ दिलाई गई। अभियान में भाग लेने वाले नागरिकों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस की इस संयुक्त पहल की शिविर में उपस्थित लोगों ने सराहना की।

खाद्य आपूर्ति विभाग में आपराधिक चेहरों को मिली पदोन्नति

नवभारत, बालाघाट । खाद्य विभाग द्वारा जिला आपूर्ति अधिकारी से सेवानिवृत्त लोकसेवक को उच्च पदोन्नति का लाभ दिया गया, इसी प्रकार सहायक आपूर्ति अधिकारी से जिला आपूर्ति अधिकारी के पद पर स्नढ्क्रदर्ज लोकायुक्त प्रकरण लंबित और आरोप पत्र जारी होने तथा न्यायालय में ट्रायल चल रहे लोक सेवकों को भी पदोन्नति दी गई है। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों से सहायक आपूर्ति अधिकारियों के प्रमोशन में भी मध्य प्रदेश प्रमोशन नियम 2025 को भी ताक पर रखते हुए दागी और आपराधिक प्रकरण दर्ज , विभागीय जांच लंबित, लोकायुक्त प्रकरण लंबित भगौड़े लोक सेवक को भी पदोन्नति प्रदान की गई है । मामला यही खत्म नहीं होता कुछ अधिकारियों की तो कई सालों की गोपनीय चरित्रावली मौजूद नहीं होने के बावजूद भी और तो और जिन लोकसेवकों पर दंड स्वरूप शास्ति लगाई गई है उन्होंने भी प्रमोशन पा लिया है । आनन फानन में एक ही दिन में उनकी फाइल मंगवा कर उन्हें पदोन्नति का लाभ प्रदान किया गया । इस कार्यवाही से खाद्य विभाग द्वारा आनन फानन में की गई पदोन्नति की गई दिशा में उसकी पारदर्शिता में बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है। विभाग के 12 से 15 ऐसे लोक सेवकों को पदोन्नति प्रदान की गई है जो अपात्र होने के बावजूद उच्च अधिकारियों की मेहरबानी से प्रमोशन पा गए और उसके कारण वास्तविक पात्र लोकसेवक पदोन्नति के लाभ से वंचित रह गए हैं ।

उकवा में लगा नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 250 से अधिक ग्रामीणों ने उठाया लाभ

नवभारत, परसवाड़ा। ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से मार्श आर्थोपेडिक हॉस्पिटल बालाघाट द्वारा उकवा के जय बड़ा देव पूजा स्थल उकवा में एक दिवसीय भव्य नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 250 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य जांच कराई और नि:शुल्क दवाएं प्राप्त कीं।

शिविर का शुभारंभ नव पदस्थ थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश धूमकेति, नवपदस्थ उकवा चौकी प्रभारी निरीक्षक सुभाष दुबे और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। कार्यक्रम में जय बड़ा देव एकता समिति अध्यक्ष् आर एस तिलगाम और सचिव राजेंद्र टेकाम सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में थाना प्रभारी कमलेश धूमकेति ने कहा कि 'इस तरह के स्वास्थ्य शिविर दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए बहुत लाभदायक हैं। मार्श हॉस्पिटल का यह प्रयास सराहनीय है।'

सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक ने भी अस्पताल प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के शिविरों का आयोजन होते रहना चाहिए ताकि हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंच सके।

निरीक्षण

लापरवाही पर तीन अधीक्षक व एक प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस

आदिवासी क्षेत्रों की शालाओं और छात्रावासों का सहायक आयुक्त का औचक निरीक्षण

नवभारत, बालाघाट। जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर ने शनिवार 18 जुलाई को आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों की शालाओं, छात्रावासों एवं आश्रमों का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास अधीक्षकों की बैठक लेकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया तथा उनकी समस्याएं सुनकर उनके शीघ्र समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती डामोर ने डाबरी, पाथरी, सोनगुड्डा और मोहनपुर हायर सेकेंडरी स्कूलों के साथ-साथ डाबरी, पाथरी, सोनगुड्डा, बिठली, सोनपुरी, उकवा एवं मोहनपुर छात्रावासों का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास भवनों की स्थिति, क्षतिग्रस्त भवनों तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की।

निरीक्षण में मोहनपुर हायर सेकेंडरी स्कूल में कंप्यूटर कक्षा का नियमित संचालन नहीं पाया गया। इस लापरवाही पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती चित्ररेखा मेश्राम को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

अधीक्षकों की बैठक में डाबरी आश्रम की अधीक्षिका श्रीमती आशा नागदेवे तथा कन्या छात्रावास बिठली की अधीक्षिका सुश्री प्रियंका काले के बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

वहीं सीनियर बालक छात्रावास उकवा के अधीक्षक श्री रामलाल पटले के विरुद्ध कक्षा 11वीं एवं 12वीं के पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं देने की शिकायत मिलने पर भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। सहायक आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि पात्रता रखने वाले सभी विद्यार्थियों को उपलब्ध सीटों के अनुसार छात्रावास में प्रवेश दिया जाए।

राजा भोज की प्रतिमा खंडित करने वालों पर कार्रवाई की मांग, पंवार समाज ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

नवभारत, परसवाड़ा। नगर के पंवार समाज मंगल भवन के समीप स्थापित सम्राट राजा भोज की प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने के विरोध में पंवार समाज ने कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। समाज के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में समाजजनों ने पुलिस थाना परसवाड़ा पहुंचकर थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि समाज के गौरव, स्वाभिमान एवं ऐतिहासिक विरासत के प्रतीक सम्राट राजा भोज की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर फेंक दिया गया, जिससे पंवार समाज की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाएं आहत हुई हैं। घटना के बाद समाज में रोष व्याप्त है तथा लोगों ने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास बताया है।

समाज के प्रतिनिधियों ने मांग की कि मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की पहचान की जाए तथा उनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में प्रतिमा स्थल पर सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग भी की गई, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि सम्राट राजा भोज भारतीय इतिहास के महान शासकों में से एक रहे हैं। उनकी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना केवल पंवार समाज ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक सद्भाव पर भी आघात है। समाज ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई कर दोषियों को कानून के दायरे में लाने की मांग की है।